



বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

M.A. Examinations 2020 Semester IV Subject: HINDI Paper: HIN - 401

(Theory)

Full Marks:40

Time: 2HRS

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

Answer any one of the following questions (within 250 words)

किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए :

- 1. रिपोर्ताज की विशेषताओं के आधार पर 'ॠणजल-धनजल ' का विश्लेषण कीजिए |
- व्यंग्य के भेदों को स्पष्ट करते हुए 'वैष्णव की फिसलन ' की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।
- रेखाचित्रकार महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय देते हुए 'ठकुरी बाबा ' के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए |
- 4. भाव या मनोविकार किसे कहते हैं? 'क्रोध ' निबंध में लेखक के व्यक्त विचारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए |
- 5. हिंदी आत्मकथा विधा का परिचय देते हुए ' मेरी जीवन यात्रा में ' संकलित ' बाढ़ पीड़ितों की सेवा में ' शीर्षक पाठ की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए |
- 'तदेजित तन्नौजित ' का अर्थ स्पष्ट कीजिए | आनंद की साधनावस्था का विशद परिचय दीजिए |
- ' अकाल-उत्सव ' किस कोटि की व्यंग्य रचना है ? ' अकाल उत्सव ' में लेखक को कितने सपने आए हैं ? उन सपनों के आशय स्पष्ट कीजिए |
- हिंदी रिपोर्ताज के उद्भव व विकास का उल्लेख करते हुए 'ऋणजल-धनजल' में संकलित 'बाढ़- 1975' की मूल संवेदना का विश्लेषण कीजिए |
- 9. " भविष्य में भी संपत्ति सुरक्षित रखने के लिए उसने छोटी लड़िकयों के हाथ पीले कर उन्हें ससुराल पहुँचाया और पित के चुने हुए बड़े दामाद को घर-जमाई बनाकर रखा | इस प्रकार उसके जीवन का तीसरा परिच्छेद आरंभ हुआ |"
 - ये पंक्तियाँ किस पाठ की हैं ? इसके रचयिता कौन हैं ? इन पंक्तियों का प्रसंग क्या है ? इस अवतरण में अंकित ' तीसरा परिच्छेद ' का आशय स्पष्ट कीजिए |
- 10. साहित्यिक विधा के रूप में आत्मकथा और जीवनी में अंतर स्पष्ट करते हुए ' मेरी जीवन-यात्रा ' में संकलित ' वैराग्य का भूत ' की मूल संवेदना का विवेचन कीजिए ।